साप्ताहिक

अचलेश्वर एक्सप्रेस

संपादक : आकाश कुशवाह:- 8435500216 | वर्ष-1 अंक-03 | ग्वालियर, सोमवार 07 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपया | RNI No. - MPHIN/26/A/7091

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर 'ऑपरेशन क्लीन' का एक्शन जारी, ग्वालियर में दो दिन में दो स्पा सेंटरों पर पुलिस की दबिश

एडिशनल एसपी सुजवाल जग्गा कर रहे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग, सीएसपी और थाना प्रभारियों की टीम लगातार मैदान में

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। शहर में अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ ग्वालियर पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन' लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजवाल जग्गा लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान के तहत पुलिस ने दो दिनों में शहर के दो स्पा सेंटरों पर कार्रवाई कर वहां मौजूद युवक-युवतियों से पूछताछ शुरू की है।

पहले दिन भी स्पा सेंटर पर कार्रवाई

ऑपरेशन क्लीन के तहत पुलिस ने पहले दिन भी एक स्पा सेंटर पर दबिश देकर वहां संचालित गतिविधियों की जांच की थी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद शहर के स्पा सेंटर संचालकों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस द्वारा सेंटरों की गतिविधियों, दस्तावेजों और वहां आने-जाने वाले लोगों की जानकारी को भी जांच के दायरे में लिया जा रहा है।

दूसरे दिन भी जाल बिछाकर पहुंची पुलिस

लगातार दूसरे दिन पुलिस को सूचना मिली कि एक स्पा सेंटर में संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजना बनाकर सेंटर पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान करीब एक दर्जन युवक-युवतियां मौके पर मिले। पुलिस ने सभी से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

एडिशनल एसपी की मॉनिटरिंग, सीएसपी और थाना प्रभारियों की टीम मैदान में

दूसरे दिन की कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजवाल जग्गा, सीएसपी शिखा सोनी, थाना प्रभारी बालविन्दर ढिल्लन और थाना प्रभारी रश्मि भदौरिया की भूमिका प्रमुख रही। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया।

स्पा सेंटरों की गतिविधियां पुलिस के रडार पर

ऑपरेशन क्लीन के तहत पुलिस अब ऐसे स्पा सेंटरों पर विशेष नजर रख रही है, जहां नियमों के विपरीत गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें या सूचनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस का फोकस केवल छापामार कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की जांच भी की जा रही है।

दो दिन में दो कार्रवाई से स्पा सेंटर संचालकों में हड़कंप

ग्वालियर में लगातार दो दिनों में दो स्पा सेंटरों पर हुई पुलिस कार्रवाई ने साफ संकेत दिया है कि ऑपरेशन क्लीन को लेकर पुलिस अब लगातार एक्शन मोड में है। एसपी के निर्देश, एडिशनल एसपी की मॉनिटरिंग और सीएसपी व थाना प्रभारियों की सक्रियता के चलते अभियान को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

दिल्ली में 5 मंजिला इमारत गिरी, चार की मौत

हादसे के वक्त 50 से ज्यादा लोग अंदर मौजूद थे

अचलेश्वर एक्सप्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 5 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। मरने वालों में एक छात्र और एक मजदूर है, जबकि 2 की पहचान अभी नहीं हुई है।

बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 12 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मलबे में दबे एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर शेयर किया। उसने लोगों से रेस्क्यू की अपील की। घटनास्थल पर मौजूद एक युवक ने भास्कर रिपोर्टर को बताया कि यह युवक उसका दोस्त है। वह बार-बार फोन करके कह रहा है कि मुझे बचा लो। घटना दोपहर 1.30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है।

ऑपरेशन ईगल के तहत इंदरगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई

वारदात की फिराक में घूम रहा बदमाश दबोचा, 315 बोर का कट्टा और जिंदा राउंड बरामद

सीएसपी रोबिन जैन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। अवैध हथियारों के खिलाफ ग्वालियर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन ईगल के तहत थाना इंदरगंज पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए वारदात की नीयत से घूम रहे एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा राउंड बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध हथियार लेकर घूमने वाले बदमाशों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को मजबूती मिली है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस हुई सक्रिय

02 सितंबर को थाना इंदरगंज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक अवैध हथियार लेकर गोटे महादेव मंदिर के पास गेंडे वाली सड़क पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मध्य/यातायात) सुजावल जग्गा के निर्देश पर पुलिस टीम को तत्काल सूचना की तस्दीक कर कार्रवाई के लिए रवाना किया गया।

सीएसपी रोबिन जैन के मार्गदर्शन में घेराबंदी

सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक दीप्ति तोमर ने पुलिस टीम को सक्रिय किया। टीम ने मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर संदिग्ध युवक की तलाश शुरू की। कुछ ही देर में गेंडे वाली सड़क पर मुखबिर के बताए हुलिए का युवक दिखाई दिया। पुलिस टीम ने सतर्कता बरतते हुए घेराबंदी की और उसे बिना मौका दिए पकड़ लिया।

कमर में खुरसा था देशी कट्टा, जेब में मिला राउंड

पुलिस द्वारा संदिग्ध युवक की तलाशी लेने पर उसकी कमर में 315 बोर का देशी कट्टा खुरसा हुआ मिला। वहीं उसकी पेंट की जेब से 315 बोर का एक जिंदा राउंड भी बरामद किया गया। हथियार और कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान चाँद गोस्वामी पुत्र राजेश गोस्वामी, उम्र 20 वर्ष, निवासी बालाजीपुरम, गुढ़ागुढ़ी का नाका, थाना माधौगंज, ग्वालियर के रूप में हुई।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी इंदरगंज निरीक्षक दीप्ति तोमर, प्रधान आरक्षक रामबाबू सिंह, प्रधान आरक्षक अवधेश सिंह सिकरवार, आरक्षक जितेन्द्र सिंह यादव और आरक्षक अर्जुन सिंह सिकरवार की सराहनीय भूमिका रही।

आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज, हथियार के स्रोत की जांच

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद देशी कट्टा और जिंदा राउंड विधिवत जब्त कर लिया। आरोपी का कृत्य आर्म्स एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने पर थाना इंदरगंज में धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार उसके पास कहां से आया था और उसका इस्तेमाल किस वारदात में किया जाना था।

सीएसपी रोबिन बोले—अवैध हथियारों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन ने कहा कि ऑपरेशन ईगल के तहत अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने वाले लोगों पर पुलिस लगातार नजर रख रही है। मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इंदरगंज थाना पुलिस की टीम ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्रवाई की और आरोपी को हथियार सहित पकड़ लिया। अवैध हथियारों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लगातार कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के निर्देशन और ष्टस्क्क इंदरगंज रोबिन जैन के मार्गदर्शन में थाना इंदरगंज पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट जोर है कि अवैध हथियार लेकर घूमने वाले और हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर अपराध पर अंकुश लगाया जाए।

ग्वालियर को दौरा प्रभारी नहीं 'जिम्मेदार प्रभारी' मंत्री चाहिए

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट की ग्वालियर में मौजूदगी को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। वजह भी साफ है जब

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का ग्वालियर दौरा होता है, तो उनके साथ तुलसीराम सिलावट की मौजूदगी सहज ही नजर आती है। दौरे की तैयारियां हों, स्वागत कार्यक्रम हो या केंद्रीय मंत्री के साथ होने वाले विभिन्न कार्यक्रम, प्रभारी मंत्री की मौजूदगी दिखाई देती है। ऐसे में शहर में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि तुलसीराम सिलावट की प्राथमिकता आखिर क्या है? क्या वे ग्वालियर के प्रभारी मंत्री के तौर पर शहर की समस्याओं और विकास कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए आते हैं या उनकी सक्रियता का सबसे बड़ा कारण सिंधिया का दौरा बन जाता है? जनता को प्रभारी मंत्री से उम्मीद रहती है कि वे जिले की समस्याओं को समझें, अधिकारियों के साथ बैठें, योजनाओं की प्रगति देखें और जनता के बीच जाकर हालात का जायजा लें। लेकिन यदि उनकी सार्वजनिक मौजूदगी सबसे अधिक किसी दूसरे नेता के दौरे के साथ दिखाई दे, तो सवाल तो उठेंगे ही। जनता पूछ रही है प्रभारी मंत्री ग्वालियर के हैं या प्रभारी मंत्री का दायित्व सिंधिया के दौरे तक सीमित नजर आता है?

कभी-कभार अकेले आए भी तो 'खाना-पूर्ति' का सवाल क्यों?

ऐसा भी नहीं कि तुलसीराम सिलावट कभी सिंधिया के बिना ग्वालियर नहीं आते। कभी-कभार उनकी स्वतंत्र मौजूदगी भी दिखाई देती है, लेकिन जनता का सवाल उनकी मौजूदगी से ज्यादा उसकी निरंतरता और उद्देश्य को लेकर है। यदि प्रभारी मंत्री ग्वालियर आते हैं तो क्या उनकी यात्रा केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित रहती है या वे वास्तव में शहर की समस्याओं को समझने के लिए समय देते हैं? क्या वे अचानक किसी सरकारी अस्पताल पहुंचते हैं? क्या किसी खराब सड़क का निरीक्षण करते हैं? क्या सीवर और पेयजल की शिकायतों वाले इलाकों में जाकर नागरिकों से बात करते हैं? क्या अधिकारियों के साथ बैठकर लंबित विकास कार्यों की समीक्षा करते हैं? यदि ऐसा नियमित रूप से होता है तो जनता को भी उसकी जानकारी मिलनी चाहिए। क्योंकि प्रभारी मंत्री का पद केवल नाम के आगे जुड़ा हुआ एक पद नहीं है; इसके साथ जिले की प्रशासनिक और राजनीतिक जिम्मेदारी की अपेक्षा जुड़ी होती है। ग्वालियर को दिखावटी मौजूदगी नहीं, नियमित निगरानी चाहिए। कभी अकेले आना और फिर लौट जाना अलग बात है, जबकि लगातार जिले की समस्याओं पर काम करना बिल्कुल अलग बात है।

जहां सिंधिया का दौरा वहां सिलावट की मौजूदगी यह संयोग है या राजनीतिक प्राथमिकता?: राजनीति में संयोग भी होते हैं और राजनीतिक समीकरण भी। लेकिन जब किसी पैटर्न पर जनता की नजर पड़ जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्वालियर हो या ग्वालियर के बाहर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कोई कार्यक्रम–वहां तुलसीराम सिलावट की मौजूदगी दिखाई दे तो राजनीतिक गलियारों में चर्चा होना भी स्वाभाविक है। आखिर प्रभारी मंत्री के रूप में उनकी प्राथमिकता पूरे ग्वालियर जिले की निगरानी होनी चाहिए या किसी वरिष्ठ नेता के कार्यक्रमों में लगातार मौजूद रहना? यहां किसी नेता के साथ रहना गलत नहीं है, लेकिन सवाल संतुलन का है। जनता यह देखना चाहती है कि जिस मंत्री को ग्वालियर का प्रभार मिला है, वह ग्वालियर के लिए स्वतंत्र रूप से कितनी सक्रियता दिखाता है। शहर में समस्याएं किसी केंद्रीय मंत्री के दौरे का इंतजार नहीं करतीं। सड़क आज खराब है तो आज ही सुधार चाहिए। सीवर खुला है तो आज ही बंद होना चाहिए। पानी गंदा आ रहा है तो आज ही समाधान चाहिए। इसलिए जनता के मन में यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि सिंधिया के कार्यक्रम में सिलावट की उपस्थिति जितनी आसानी से दिखाई देती है, ग्वालियर की समस्याओं के बीच प्रभारी मंत्री की स्वतंत्र मौजूदगी उतनी ही स्पष्ट क्यों नहीं दिखाई देती?

सिंधिया आए तो सिलावट नजर आएं, सिंधिया जाएं तो प्रभारी मंत्री कहां जाएं?

ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का दौरा होता है तो प्रशासनिक अमला सक्रिय होता है और राजनीतिक चेहरे भी नजर आते हैं। इसी दौरान तुलसीराम सिलावट की मौजूदगी भी प्रमुखता से दिखाई देती है। लेकिन सवाल यह है कि जिस ग्वालियर जिले का प्रभार उन्हें मिला है, वहां उनकी सक्रियता केवल बड़े राजनीतिक दौरों तक क्यों दिखाई दे? ग्वालियर शहर में सड़क, सीवर, पेयजल, सफाई, यातायात, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर नागरिक लगातार अपनी आवाज उठाते हैं। इन समस्याओं की समीक्षा के लिए प्रभारी मंत्री की नियमित बैठकें और क्षेत्रीय भ्रमण जनता के लिए ज्यादा मायने रखते हैं। क्या प्रभारी मंत्री को महीने में कुछ दिन केवल ग्वालियर की प्रशासनिक स्थिति समझने के लिए नहीं देने चाहिए? क्या उन्हें अधिकारियों के साथ बैठकर यह नहीं पूछना चाहिए कि पिछली समीक्षा में दिए गए निर्देशों का कितना पालन हुआ? सिंधिया के दौरे में साथ चलना राजनीतिक जिम्मेदारी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन प्रभारी मंत्री की असली परीक्षा तब होती है जब कोई बड़ा नेता शहर में मौजूद न हो और फिर भी मंत्री अपने प्रभार वाले जिले की सुध लेने खुद पहुंचे।

ग्वालियर को दौरा प्रभारी नहीं जिम्मेदार प्रभारी चाहिए

ग्वालियर की जनता ने नेताओं को इसलिए चुना और स्वीकार किया है कि वे उसकी समस्याओं की आवाज बनें। प्रभारी मंत्री से भी यही अपेक्षा है। केंद्रीय मंत्री का दौरा आए तो साथ रहिए, राजनीतिक जिम्मेदारी निभाइए लेकिन ग्वालियर का दौरा किसी केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम का मोहताज नहीं होना चाहिए। प्रभारी मंत्री को खुद आना चाहिए, खुद अधिकारियों से सवाल करना चाहिए और खुद यह देखना चाहिए कि ग्वालियर किस दिशा में जा रहा है। यदि सिंधिया का दौरा हो तो सिलावट नजर आएं और जब सिंधिया न हों तो भी ग्वालियर की गलियों, सरकारी दफ्तरों, अस्पतालों और विकास कार्यों के बीच सिलावट की सक्रियता दिखाई दे–तभी जनता कहेगी कि हां, यह ग्वालियर के प्रभारी मंत्री हैं। वरना शहर में उठता सवाल अपनी जगह कायम रहेगा तुलसीराम सिलावट ग्वालियर के प्रभारी मंत्री हैं या ज्योतिरादित्य सिंधिया के दौरे के?

सिंधिया के साथ दिखने की राजनीति या ग्वालियर के साथ खड़े होने की जिम्मेदारी?

ग्वालियर की जनता को किसी नेता की तस्वीरों से ज्यादा काम चाहिए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ तुलसीराम सिलावट की मौजूदगी पर किसी को आपत्ति होने का सवाल नहीं है। लेकिन एक प्रभारी मंत्री की पहचान केवल इस बात से नहीं होनी चाहिए कि वह किस नेता के साथ दिखाई देता है। पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वह अपने प्रभार वाले जिले के लिए कितना समय देता है और कितनी जवाबदेही तय करता है। ग्वालियर में समस्याओं की लंबी सूची है और इन समस्याओं पर लगातार निगरानी की जरूरत है। यदि प्रभारी मंत्री नियमित रूप से अधिकारियों के साथ बैठक करें, क्षेत्र का भ्रमण करें, योजनाओं की समीक्षा करें और जनता की शिकायतों पर फॉलोअप लें तो यह उनकी भूमिका का मजबूत प्रमाण होगा। लेकिन यदि उनकी सबसे स्पष्ट सार्वजनिक मौजूदगी बार-बार सिंधिया के दौरों के साथ ही दिखाई देती रहे तो सवाल पूछना जनता का अधिकार है। आखिर तुलसीराम सिलावट की राजनीतिक पहचान क्या होगी सिंधिया के साथ खड़े मंत्री की या ग्वालियर के लिए खड़े प्रभारी मंत्री की?

प्रभारी मंत्री का प्रभार किसके लिए? ग्वालियर की जनता के लिए या राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए?

तुलसीराम सिलावट को ग्वालियर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है तो जनता की अपेक्षा भी ग्वालियर से जुड़ी है। उन्हें शहर और जिले की प्रशासनिक स्थिति की नियमित जानकारी रखनी चाहिए, विकास कार्यों की समीक्षा करनी चाहिए और संबंधित विभागों से जवाब लेना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि हर समस्या के समाधान के लिए प्रभारी मंत्री खुद मौके पर जाएं, लेकिन उनकी सक्रिय निगरानी जरूर दिखाई देनी चाहिए। जनता यह भी चाहती है कि प्रभारी मंत्री समय-समय पर ऐसी बैठकें करें जिनमें सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रमों की तैयारियां नहीं, बल्कि ग्वालियर की वास्तविक समस्याएं एजेंडे में हों। कितने काम लंबित हैं? कौन सा विभाग काम नहीं कर रहा? किस योजना में देरी है? किस इलाके में नागरिक परेशान हैं? इन सवालों पर मंत्री की सक्रियता दिखाई देनी चाहिए। ग्वालियर का प्रभारी मंत्री होना केवल पद नहीं, जवाबदेही है। यदि जनता को मंत्री की सक्रियता मुख्य रूप से सिंधिया के दौरों के आसपास दिखाई देती है, तो जनता के मन में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर ग्वालियर के लिए मंत्री की स्वतंत्र प्राथमिकताएं क्या हैं?

सांसदी के बीच दक्षिण में बढ़ी सक्रियता ने बढ़ाई सियासी अटकलें, समर्थकों की नियुक्ति यों से नए समीकरणों की चर्चा

क्या भारत सिंह कुशवाह की नजर ग्वालियर दक्षिण पर?

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर के भाजपा सांसद भारत सिंह कुशवाह की पिछले कुछ समय में ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती राजनीतिक सक्रियता ने भाजपा के अंदर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। उनकी अनुशंसा पर दक्षिण क्षेत्र से जुड़े कई कार्यकर्ताओं को अलग-अलग समितियों और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में जगह मिलने के बाद अब राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या 2028 के विधानसभा चुनाव को लेकर भारत सिंह कुशवाह अभी से दक्षिण में अपनी जमीन तैयार कर रहे हैं?

नियुक्तियों ने बढ़ाई सियासी हलचल

हाल ही में ओमप्रकाश जाजोरिया को ग्वालियर नगर निगम में सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने की चर्चा है। वहीं वरिष्ठ नेता अशोक बांदिल को रेलवे सलाहकार समिति में सदस्य बनाए जाने की तैयारी बताई जा रही है। इससे पहले सांसद की अध्यक्षता वाली 'दिशा' समिति में अभय चौधरी, कविता सोनी और गिरजा जाटव को सदस्य मनोनीत किया गया था। खास बात यह है कि इन नियुक्तियों में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से जुड़े चेहरों की मौजूदगी राजनीतिक जानकारों का ध्यान खींच रही है।

दक्षिण में पहले से कई दावेदार

ग्वालियर दक्षिण भाजपा के लिए लंबे समय से महत्वपूर्ण सीट रही है और यहां टिकट के संभावित दावेदारों की चर्चा भी लगातार होती रही है। इनमें मनोज तोमर, देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर 'रामू', समीक्षा गुप्ता, मोहित जाट, तुष्मुल झा, सुधीर गुप्ता, पुनीत शर्मा 'पप्पन', कमल माखीजानी और प्रांशु शेजवलकर सहित कई नाम राजनीतिक चर्चाओं में हैं। ऐसे में यदि भारत सिंह कुशवाह दक्षिण की ओर अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ाते हैं तो मौजूदा दावेदारों के समीकरण भी प्रभावित होना स्वाभाविक है।

2028 से पहले ही क्यों शुरू हुई चर्चा?

2018 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर दक्षिण में कांग्रेस के युवा नेता प्रवीण पाठक ने भाजपा के नारायण सिंह कुशवाह को महज 121 वोटों से हराया था। हालांकि बाद के चुनाव में भाजपा ने यहां वापसी की। यही वजह है कि दक्षिण को भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए अहम सीट माना जाता है। फिलहाल भारत सिंह कुशवाह की ओर से 2028 में ग्वालियर दक्षिण से चुनाव लड़ने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन दक्षिण में बढ़ती सक्रियता, समर्थकों को मिल रही जिम्मेदारियां और पार्टी के भीतर चल रही चर्चाओं ने एक सवाल जरूर खड़ा कर दिया है–क्या 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले भारत सिंह कुशवाह ग्वालियर दक्षिण में अपनी सियासी जमीन तैयार कर रहे हैं?

सांसद से विधायक बनने की चर्चा क्यों?

सवाल यह है कि यदि भारत सिंह कुशवाह सांसद हैं तो फिर विधानसभा चुनाव लड़ने की जरूरत क्यों पड़ेगी? भाजपा में पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं, जब पार्टी ने सांसदों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारा और बाद में उन्हें राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलीं। प्रहलाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, राकेश सिंह, उदय प्रताप सिंह और रीति पाठक इसके उदाहरण रहे हैं। भारत सिंह कुशवाह कुशवाह समाज और ओबीसी वर्ग से आते हैं। ऐसे में यदि पार्टी भविष्य में उन्हें राज्य की राजनीति में बड़ी भूमिका देने का फैसला करती है तो विधानसभा चुनाव उनके लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक रास्ता हो सकता है। हालांकि यह फिलहाल केवल राजनीतिक चर्चा और संभावनाओं का विषय है।

दक्षिण ही क्यों?: भारत सिंह कुशवाह की पारंपरिक विधानसभा राजनीति ग्वालियर ग्रामीण से जुड़ी रही है। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस के साहब सिंह गुर्जर से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ग्वालियर दक्षिण उनके लिए एक नई राजनीतिक जमीन होगी। दक्षिण से भाजपा के वर्तमान विधायक नारायण सिंह कुशवाह प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में भविष्य में पार्टी नेतृत्व यदि किसी नए और अपेक्षाकृत युवा चेहरे को मौका देने का फैसला करता है, तो दक्षिण में नए समीकरण बन सकते हैं।

देश में मॉनसून फिर सक्रिय, मध्यप्रदेश, यूपी समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

गुजरात, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र-कच्छ के कुछ इलाकों में भी छिटपुट बारिश का अनुमान

नई दिल्ली,(ए)। देश के बड़े हिस्से में मॉनसून एक बार फिर सक्रिय होने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कई राज्यों में बारिश का अनुमान जताया है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश की भी संभावना जताई है। दिल्ली में रविवार को दोपहर से शाम के बीच बादल छाए रह सकते हैं। राजधानी में कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने दिल्ली के लिए किसी भी तरह की मौसम आधारित चेतावनी जारी नहीं की है। वहीं, दिल्ली से सटे गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। पिछले दो दिनों में हुई तेज बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली थी। उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बारिश और गरज के साथ बौछारों का दौर जारी रह सकता है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तेज बारिश हो सकती है। इन दोनों राज्यों में कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। पूर्वी भारत के कई हिस्से भी बारिश से प्रभावित रहेंगे। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड और ओडिशा में बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। इन राज्यों के कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर

राज्यों में भी मौसम में नमी रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के दूसरे हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है।

पश्चिमी तट पर कोंकण और गोवा में कई जगहों पर बारिश हो सकती है। गुजरात, महाराष्ट्र और सौराष्ट्र-कच्छ के कुछ इलाकों में भी छिटपुट बारिश का अनुमान है। दक्षिण भारत में भी कई राज्यों में बारिश होने की उम्मीद है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की स्थिति बन सकती है। केरल और माहे में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने अरब सागर में मछुआरों के लिए भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। सोमालिया के तट और उससे लगे दक्षिण-पश्चिमी तथा पश्चिम-मध्य अरब सागर के हिस्सों में सतर्क रहने को कहा गया है। 6 से 9 सितंबर के बीच ओमान के तट और उससे लगे पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम अरब सागर में भी मछुआरों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, बढ़ी मुश्किलें

संपत्ति की कीमत बढ़ी दिखाकर 1,322 करोड़ रुपए का फ्रॉड करने का है आरोप

नई दिल्ली,(ए)। मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीबीआई ने उनके खिलाफ अपनी संपत्ति की कीमत बढ़ाकर दिखाने और उसके आधार पर बड़ा कर्ज लेने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि बाद में ये कर्ज डिफॉल्ट हो गए, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को 1,322 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ।

सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक एलआईसी कंपनी की शिकायत के आधार पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। कंपनी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने अपनी नेटवर्थ से जुड़े ऐसे प्रमाण पत्र जमा किए थे, जिनके

आधार पर दो बड़े कर्ज को मंजूरी मिली और रकम जारी की गई। इन दोनों कर्ज की कुल रकम 980 करोड़ रुपए थी। शिकायत के मुताबिक पहला कर्ज 500 करोड़ रुपए का था। यह रकम वसंत सागर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को दी गई थी। पैन इंडिया इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड इस कर्ज में सह-उधारकर्ता थी। यह कर्ज पुराने कर्ज को अपने ऊपर लेने, अतिरिक्त रकम जुटाने और कारोबार बढ़ाने के लिए मंजूर किया गया था। इस कर्ज के लिए 28 मार्च 2018 को सुभाष चंद्रा ने लगातार प्रभावी रहने वाली गारंटी दी थी।

वहीं दूसरा कर्ज 480 करोड़ का था। यह रकम डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को दी गई थी, जबकि स्पिरिट इंफ्रा पावर एंड मल्टी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड इसमें सह-उधारकर्ता थी। 28 मार्च 2018 को डीआईएम एंड कंपनी ने सुभाष चंद्रा की नेटवर्थ करीब 59,000 करोड़ रुपए बताने वाला प्रमाण पत्र जारी किया था।

इसरो में निजीकरण की आहट: कर्मचारियों ने पत्र लिख पूछा- हम कहां जाएंगे

श्रीहरिकोटा,(ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कर्मचारियों में अपने भविष्य और संगठन के निजीकरण को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है। अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोले जाने के छह साल बाद, इसरो के अलग-अलग केंद्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ प्रमुख कर्मचारी संघों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। यह पत्र 4 सितंबर को इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन को भेजा गया, जिसमें निजीकरण की नीति, भूमिका और मौजूदा कर्मचारियों के भविष्य पर पड़ने वाले असर पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। कर्मचारी संघों की इस तीखी प्रतिक्रिया की मुख्य वजह इन-स्पेस के चेयरमैन पवन कुमार गोयनका का हालिया बयान है। गोयनका ने एक कार्यक्रम में कहा था कि आखिरकार इसरो किसी भी लॉन्च व्हीकल (रॉकेट) का निर्माण नहीं करेगा।

केंद्र ने 8 हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस किए नियुक्त

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के कुछ दिन बाद हुईं नियुक्तियां

नई दिल्ली,(ए)। केंद्र सरकार ने देश के आठ हाईकोर्ट में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। ये नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के कुछ दिन बाद शनिवार को की गई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर नियुक्तियों की जानकारी दी। नई नियुक्ति के तहत जस्टिस अलपेश यशवंत कोग्जे को गुजरात हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है।

इन 8 जजों को मिली नई जिम्मेदारी

- जस्टिस वल्लुरी कामेश्वर राव – दिल्ली हाईकोर्ट से पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस रविंद्र वी. घुगे – बॉम्बे हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल – छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी – इलाहाबाद हाईकोर्ट से बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा – पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस कृष्णा राम मोहापात्रा – ओडिशा हाईकोर्ट से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस अलपेश यशवंत कोग्जे – गुजरात हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।
- जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी – राजस्थान हाईकोर्ट से जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 18 तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

25 जून को किया गया था गिरफ्तार, सभी आरोपी फिलहाल जेल में बंद

अयोध्या,(ईएमएस)। अयोध्या की एक अदालत ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 18 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। आरोपियों के वकील ने यह जानकारी दी। मंदिर में चढ़ावे की गिनती की प्रक्रिया से जुड़े इन आठ आरोपियों को राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद 25 जून को दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। वे फिलहाल जेल में बंद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों के वकील ने बताया कि सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 18 सितंबर तक बढ़ा दी है। अयोध्या की भ्रष्टाचार निवारण अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा ने यह आदेश दिया। इस मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों के नाम अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष

कुमार यादव, करुणेश पांडेय, राम शंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव हैं। मामला राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकद और कीमती सामान के गबन से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक जांचकर्ताओं ने अब तक 79.85 लाख रुपए बरामद किए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकतर आरोपी मंदिर में चढ़ावे के नकद की गिनती के लिए तैनात बैंक कर्मचारी थे, जबकि सुभाष श्रीवास्तव चढ़ावे की गिनती की प्रक्रिया के प्रभारी थे और टिन्नू यादव चालक के रूप में काम करता था। इससे पहले मंगलवार को आरोपी सुभाष श्रीवास्तव के वकील ने उसके केनरा बैंक खाते को दोबारा चालू करने की मांग की थी। वकील ने दलील दी थी कि इस खाते में उसकी पेंशन आती है और इसी से उसके परिवार का खर्च चलता है। कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई 9 सितंबर तक टाल दी।

संपादकीय

शिक्षा और कर्म का संदेश देता शिक्षक दिवस और जन्माष्टमी

युग कोई भी हो गुरु का ज्ञान और श्रीकृष्ण का कर्मयोग युवा पीढ़ी के लिए जीवन की सही दिशा तय करने का आधार बन सकते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं, बल्कि वे मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करने वाले भी होते हैं। शिक्षक दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ऐसे ही दो महत्वपूर्ण अवसर हैं, जो अलग-अलग रूपों में हमें ज्ञान, अनुशासन, कर्तव्य, साहस और मानवीय मूल्यों की सीख दे रहे हैं। आज के आधुनिकतम युग में जब युवा पीढ़ी तेज तकनीकी बदलाव, सोशल मीडिया के दबाव, प्रतिस्पर्धा और करियर की अनिश्चितताओं के बीच अपना रास्ता तलाश रही है, तब इन दोनों अवसरों का महत्व और बढ़ गया है। शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि किसी भी समाज का भविष्य केवल उसके आर्थिक संसाधनों या तकनीकी विकास से तय नहीं होता, बल्कि उसकी शिक्षा और संस्कार भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं है। वह विद्यार्थी को सही और गलत में अंतर करना, असफलता से सीखना, प्रश्न पूछना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि जीवन के लिए तैयार करता है। वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक ने अभूतपूर्व संभावनाएं पैदा की हैं। मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान तक पहुंच आसान कर दी है। ऐसे में जरुरी हो जाता है कि सूचना और ज्ञान के अंतर को समझा जाए। यह समझना भी उचित होगा कि इंटरनेट हमें हजारों उत्तर दे सकता है, पर कौन-सा उत्तर सही है और उसका उपयोग किस तरह करना है, यह विवेक हमें शिक्षा और संस्कार से ही मिलता है। इसलिए युवा पीढ़ी को तकनीक का गुलाम बनने के बजाय उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखना ही होगा। युवाओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम भी है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना, लाइक्स और फॉलोअर्स को उपलब्धि का पैमाना मान लेना तथा आभासी दुनिया में अत्याधिक समय बिताना मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग

साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित जी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता।वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता से तय होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्तिश्रृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है।इसी दृष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, जी20 में भारत की सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा कहानी है: भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है।

साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित जी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है। इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थागत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,मुद्रास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।यदि इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकताहै हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा।

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

- कांतिलाल मांडोत

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निर्माणों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है।

बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है।

प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी।

इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें।

राशिफल

मेष राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, साधन सम्पन्नता के योग बनेंगे, कार्य सम्पन्नता अवश्य होगी।

वृष राशि :- कुटुम्ब की चिन्ता व समस्या अवश्य बनेगी, किसी से कष्ट अवश्य होगा।

मिथुन राशि :- कार्य-व्यवसाय में बाधा, मानसिक उद्विघ्नता तथा कार्य में बाधा, ध्यान दें।

कर्क राशि :- धन का लाभ, बिगड़े हुये कार्य में बाधा, व्यर्थ भ्रमण होगा।

सिंह राशि :- असमंजस का वातावरण बना रहेगा, अनायास कार्य विफल होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि :- विपरीत परिस्थितियों के वातावरण की संरचना होगी तथा व्यवसाय में बाधा बनेगी।

तुला राशि :- सुख-समृद्धि के योग बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा, ध्यान से कार्य सम्पन्न करें।

वृश्चिक राशि :- स्त्री-शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता से बचें तथा कार्य अवरोध सदैव रहेगा।

धनु राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखें अन्यथा हानि की संभावना प्रबल होगी।

मकर राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा विशेष कार्य सम्पन्न होंगे।

कुंभ राशि :- इष्ट-मित्र सुख वर्धक होंगे, दैनिक कार्य में अनुकूलता बनेगी, समय का ध्यान रखें।

मीन राशि :- प्रबलता-प्रभुत्व वृद्धि, भौतिक सफलता के साधन जुटायेंगे, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

भक्ति, पर्व और आध्यात्मिक ऊर्जा का संगम

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास और अंग्रेजी कैलेंडर का सितंबर महीना, धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत फलदायक और शुभकारी माना जाता है। सितंबर का आगमन व्रत-त्योहारों की एक नई बहार और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ होता है, जो इसे पूजा-पाठ, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए एक आदर्श समय बनाता है। यह माह विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दौरान कई बड़े पर्व और व्रत पड़ते हैं, जिनका जनमानस के आध्यात्मिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

इस दौरान मनाए जाने वाले व्रत और त्योहार, लोगों में नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेंगे और उन्हें धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे। इसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी जैसे प्रमुख पर्वों के साथ-साथ अजा एकादशी और परिवर्तिनी एकादशी जैसे पुण्यकारी व्रत भी मनाए जाएंगे।

महीने की शुरुआत 4 सितंबर (शुक्रवार) को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव, कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व से होगी। यह दिन देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है, जिसमें भक्तगण उपवास रखकर आधी रात को भगवान के जन्मोत्सव का जश्न मनाते हैं। इसके अगले दिन, 5 सितंबर (शनिवार) को दही हांडी का उत्सव मनाया जाएगा, खासकर महाराष्ट्र में यह पर्व अपनी जीवंतता के लिए प्रसिद्ध है। एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है और इस माह की पहली एकादशी, अजा एकादशी, 7 सितंबर (सोमवार) को पड़ेगी। भगवान विष्णु को समर्पित यह व्रत पापों से मुक्ति दिलाने वाला माना जाता है। 8 सितंबर (मंगलवार) को शिव भक्तों के लिए भौम प्रदोष व्रत है, जबकि इसी दिन से जैन धर्म का महत्वपूर्ण पर्यूषण पर्व भी आरंभ होगा। मासिक शिवरात्रि, भगवान शिव की आराधना का एक और अवसर, 9 सितंबर (बुधवार) को है।

महीने के मध्य में, 14 सितंबर (सोमवार) को दो बड़े पर्व एक साथ आ रहे हैं - हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी। हरतालिका तीज सुहागिन महिलाओं द्वारा पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाने वाला निर्जला व्रत है, जबकि गणेश चतुर्थी के साथ ही 10 दिवसीय गणेश उत्सव का आरंभ होगा, जिसमें भगवान गणेश घर-घर विराजेंगे। गणेश चतुर्थी के अगले दिन, 15 सितंबर (मंगलवार) को ऋषि पंचमी मनाई जाएगी। 17 सितंबर (गुरुवार) को देवताओं के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा की जाएगी और इसी दिन कन्या संक्रांति भी है, जब सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। 19 सितंबर (शनिवार) को राधा अष्टमी का पर्व मनाया जाएगा, जो राधा रानी के जन्मोत्सव का प्रतीक है। दूसरी महत्वपूर्ण एकादशी, परिवर्तिनी एकादशी, 22 सितंबर (मंगलवार) को है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु अपनी करवट बदलते हैं, जिससे इस व्रत का महत्व और बढ़ जाता है। गुरु प्रदोष व्रत 24 सितंबर (गुरुवार) को पड़ेगा, जो भगवान शिव को समर्पित एक और पवित्र दिन है। गणेश उत्सव का समापन 25 सितंबर (शुक्रवार) को अनंत चतुर्दशी के साथ होगा, जब धूमधाम से भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। माह की अंतिम महत्वपूर्ण तिथि, भाद्रपद पूर्णिमा व्रत, 26 सितंबर (शनिवार) को है। और अंततः, 27 सितंबर (रविवार) से पितृ पक्ष का आरंभ होगा, जो पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और तर्पण का महत्वपूर्ण काल है।

शिवतांडव स्तोत्र से मिलती है सिद्धि

शिवतांडव स्तोत्र का प्रतिदिन पाठ करने से व्यक्ति को जिस किसी भी सिद्धि की महत्वकांक्षा होती है, भगवान शिव की कृपा से वह आसानी से पूर्ण हो जाती है। इस बारे में एक कथा से जाना जा सकता है। कुबेर व रावण दोनों ऋषि विश्रवा की संतान थे और दोनों सौतेले भाई थे। ऋषि विश्रवा ने सोने की लंका का राज्य कुबेर को दिया था लेकिन किसी कारणवश अपने पिता के कहने पर वे लंका का त्याग कर हिमाचल चले गए। कुबेर के चले जाने के बाद इससे दशानन बहुत प्रसन्न हुआ। वह लंका का राजा बन गया और लंका का राज्य प्राप्त करते ही धीरे-धीरे वह इतना अहंकारी हो गया कि उसने साधुजनों पर अनेक प्रकार के अत्याचार करने शुरू कर दिए।

जब दशानन के इन अत्याचारों की ख़बर कुबेर को लगी तो उन्होंने अपने भाई को समझाने के लिए एक दूत भेजा, जिसने कुबेर के कहे अनुसार दशानन को सत्य पथ पर चलने की सलाह दी। कुबेर की सलाह सुन दशानन को इतना क्रोध आया कि उसने उस दूत को बंदी बना लिया व क्रोध के मारे तुरन्त अपनी तलवार से उसकी हत्या कर दी। कुबरे की सलाह से दशानन इतना क्रोधित हुआ कि दूत की हत्या के साथ ही अपनी सेना लेकर कुबेर की नगरी अलकापुरी को जीतने निकल पड़ा और कुबेर की नगरी को तहस-नहस करने के बाद अपने भाई कुबेर पर गदा का प्रहार कर उसे भी घायल कर दिया लेकिन कुबेर के सेनापतियों ने किसी तरह से कुबेर को नंदनवन पहुँचा दिया। दशानन ने कुबेर की नगरी व उसके पुष्पक विमान पर भी अपना अधिकार कर लिया था, सो एक दिन पुष्पक विमान में सवार होकर शारवन की तरफ चल पड़ा लेकिन एक पर्वत के पास से गुजरते हुए उसके पुष्पक विमान की गति स्वयं ही धीमी हो गई। पुष्पक विमान की ये विशेषता थी कि वह चालक की इच्छानुसार चलता था तथा उसकी गति मन की गति से भी तेज थी, इसलिए जब पुष्पक विमान की गति मंद हो गई तो दशानन को बडा आश्चर्य हुआ। तभी उसकी दृष्टि सामने खडे विशाल और काले शरीर वाले नंदीश्वर पर पडी। नंदीश्वर ने दशानन को चेताया कि-

यहाँ भगवान शंकर क्रीड़ा में मग्न हैं इसलिए तुम लौट जाओ, लेकिन दशानन कुबेर पर विजय पाकर इतना दंभी हो गया था कि वह किसी कि सुनने तक को तैयार नहीं था। उसे उसने कहा कि- कौन है ये शंकर और किस अधिकार से वह यहाँ क्रीड़ा करता है? मैं उस पर्वत का नामो-निशान ही मिटा दूँगा, जिसने मेरे विमान की गति अवरूद्ध की है। इतना कहते हुए उसने पर्वत की नींव पर हाथ लगाकर उसे उठाना चाहा. अचानक इस विघ्न से शंकर भगवान विचलित हुए और वहीं बैठे-बैठे अपने पाँव के अंगूठे से उस पर्वत को दबा दिया ताकि वह स्थिर हो जाए. लेकिन भगवान शंकर के ऐसा करने से दशानन की बाँहें उस पर्वत के नीचे दब गई। फलस्वरूप क्रोध और जबरदस्त पीडा के कारण दशानन ने भीषण चीत्कार कर उठा, जिससे ऐसा लगने लगा कि मानो प्रलय हो जाएगा। तब दशानन के मंत्रियों ने उसे शिव स्तुति करने की सलाह दी ताकि उसका हाथ उस पर्वत से मुक्त हो सके। दशानन ने बिना देरी किए हुए सामवेद में उल्लेखित शिव के सभी स्तोत्रों का गान करना शुरू कर दिया, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने दशानन को क्षमा करते हुए उसकी बाँहों को मुक्त किया।

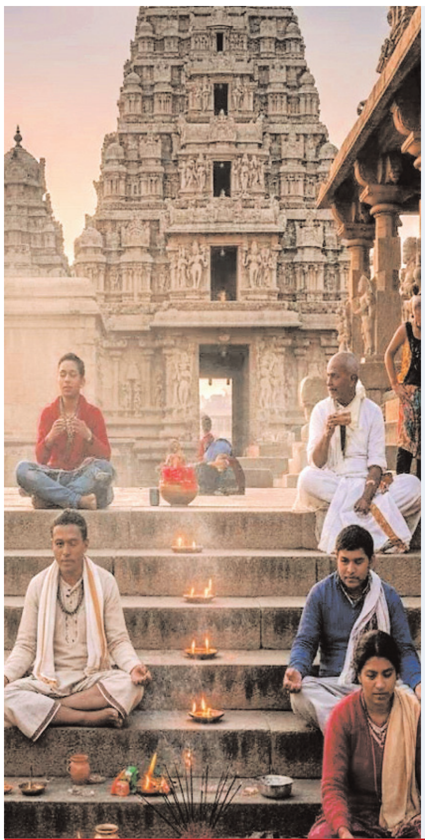

मंदिर में दर्शनों के बाद इसलिए कुछ समय बैठने की है मान्यता

मंदिर में दर्शनों के बाद कुछ समय सीढ़ी बैठने की परंपरा रही है। मान्यता है कि जब भी हम किसी मंदिर में दर्शन करते हैं, तो बाहर आकर थोड़ी देर सीड़ी पर बैठकर भगवान का ध्यान करना चाहिए। मंदिर की सीढ़ी पर बैठते ही एक विशेष श्लोक अनायासेन मरणम्, बिना देन्येन जीवनम्। देहान्त तव सानिध्यम्, देहि में परमेश्वरम्। का पाठ करना चाहिए।

इस श्लोक में यह संदेश है कि हमें सांसारिक वस्तुओं के लिए याचना नहीं करनी चाहिए। घर, धन, नौकरी, पुत्र-पुत्री जैसी चीजें भगवान अपनी कृपा से देते हैं। प्रार्थना का मतलब निवेदन और विशेष अनुरोध है, जबकि याचना सांसारिक इच्छाओं के लिए होती है।

दर्शन करते समय आंखें खुली रखनी चाहिए और भगवान के स्वरूप, चरण, मुखारविंद और श्रृंगार का पूरा आनंद लेना चाहिए। आंखें बंद करना गलत है, क्योंकि हम दर्शन करने आए हैं। लेकिन बाहर आने के बाद, आंखें बंद करके भगवान का ध्यान करना चाहिए।

यदि ध्यान करते समय भगवान का स्वरूप ध्यान में नहीं आता, तो फिर से मंदिर जाकर दर्शन करें और फिर सीड़ी पर बैठकर ध्यान और श्लोक का पाठ करें। यह प्रथा हमारे शास्त्रों और बुजुर्गों की परंपरा में बताई गई है।

इसका उद्देश्य हमारे जीवन में स्वास्थ्य, लंबी उम्र और मानसिक शांति सुनिश्चित करना है। मंदिर में नेत्र खुले और बाहर बैठकर नेत्र बंद करके ध्यान करना हमारी श्रद्धा, ध्यान और भक्ति का प्रतीक है।

सांसारिक उन्नति के बिना धर्म अधूरा है

‘धर्म’ है क्या यह हमेशा से विवाद का विषय रहा है। धर्म, संसार को समृद्धिशाली, नैतिक और सुखी बनाने के लिए था परंतु विडम्बना है कि उसका इस्तेमाल सदैव से चालाक लोगों के द्वारा अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए किया जाता रहा है। धर्म की मनमानी व्याख्याओं का परिणाम है कि इतिहास के अधिकतर झगड़े और युद्ध धर्म के कारण हुए हैं। धर्म शब्द कहते ही आम लोगों के जेहन में जो दृश्य पैदा होता है वह है यज्ञ, पूजा, नमाज, प्रार्थना या किसी धार्मिक ग्रंथ का पठन-पाठन। ऐसा लगता है कि धार्मिक क्रियां भविष्य के किसी अज्ञात लाभ के लिए हैं। धर्म को यहीं तक सीमित करके जहॉं एक ओर धार्मिक झगड़ों की नींव डाल दी वहीं दूसरी ओर समाज को वैज्ञानिक सोच और सांसारिक समृद्धि से वंचित कर दिया गया। भारतीय वाङ्मय में धर्म शब्द अत्यंत व्यापक अर्थों में प्रयुक्त हुआ है। जहॉं एक ओर आत्मिक कल्याण के साधनों को धर्म कहा है वहीं कर्तव्य और दायित्व के लिए भी धर्म शब्द का इस्तेमाल हुआ है जैसे कार्य के आधार पर राजधर्म, सेवकधर्म, जीवन की अवस्थाओं के आधार पर गृहस्थधर्म, संन्यासधर्म, वंश के आधार पर आर्यधर्म, राक्षसधर्म, रिश्तों के आधार पर पत्नीधर्म, पुत्रधर्म, परिस्थिति के आधार पर आपद्धर्म आदि। सामान्य नैतिक नियमों को भी धर्म कहा गया है जो सभी लोगों के लिए पालन योग्य हैं। श्रीमद्भागवत् (11.17.21) में अहिंसा, सत्य, चोरी न करना, काम, क्रोध व लोभ से बचे रहना, सदैव ऐसा प्रयास करते रहना जिससे सभी प्रणियों का हित हो आदि ऐसे ही धर्म हैं। इसी प्रकार के नैतिक नियमों को मनु ने भी धर्म कहा है (मनुस्मृति 6/92)। भगवान् ने जिस वस्तु को जिस प्रयोजन के लिए रचा है उसकी पूर्ति करना ही उस वस्तु का धर्म है। जैसे अग्नि का धर्म ताप देना है, चंद्रमा का धर्म है शीतलता देना आदि। गीता में जब कृष्ण कहते हैं कि - स्वधर्मे निधनं श्रेयः -अर्थात् अपने धर्म में मृत्यु भी श्रेष्ठ है तब धर्म का अर्थ है व्यक्ति का स्वभाव जो उसे प्रकृति ने स्वमेव दिया है न कि हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि।

भारत में पहली बार खेले जाएंगे एएफसी महिला क्लब चैंपियंस लीग मुकाबले

कोलकाता (ए)। भारत में पहली बार एएफसी महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल के क्लब स्तर के मुकाबले खेले जाएंगे। लीग के ग्रुप बी के इन मैचों की मेजबानी कोलकाता को मिली है। इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता के तीसरे संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली ईस्ट बंगाल को कोरिया, वियतनाम और डेमोक्रेटिक पीपल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की मजबूत टीमों के साथ एक एक ग्रुप में रखा गया है। यह पहली बार है जब भारत में एएफसी महिला चैंपियंस लीग के क्लब स्तर के मुकाबले खेले जाएंगे, जो देश में महिला फुटबॉल के बढ़ते कद और वैश्विक मंच पर इसकी पहचान का प्रतीक है।

मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में ग्रुप स्तर के ड्रॉ निकाले गये जिसमें ईस्ट बंगाल का मुकाबला रिपब्लिक ऑफ कोरिया के क्लब हवाचेओन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी, वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी और कोरिया के अप्रैल 25 स्पोर्ट्स क्लब से होगा। यह एक बेहद प्रतिस्पर्धी समूह है जिसमें मुकाबले के दौरान ईस्ट बंगाल को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन करना होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले क्वालीफाइंग दौर में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शुरुआती दौर के ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। तब ईस्ट बंगाल नरे सबाह एफसी (मलेशिया), राजशाही स्टार्स (बांग्लादेश) और रोवर्स एफसी (गुआम) जैसी टीमों को पीछे छोड़कर दूसरे सत्र के लिए एडब्ल्यूसीएल के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनायी थी।

कोलकाता 1 से 7 नवंबर तक ग्रुप बी के सभी महत्वपूर्ण मैचों की मेजबानी करेगा। इससे न केवल भारतीय महिला फुटबॉल प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्लब एक्शन देखने का अवसर मिलेगा, बल्कि भारत में महिला फुटबॉल के विकास के लिए भी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इस मेजबानी से खेल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलने और युवा लड़कियों को फुटबॉल में करियर बनाने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी।

एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित इस आगामी संस्करण में कुल 12 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के तीन सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सबसे अच्छी रैंकिंग वाली टीमें नॉकआउट स्टेज, यानी क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर-फाइनल मुकाबले अगले साल मार्च में खेले जाएंगे, जिनका ड्रॉ दिसंबर में अलग से निकाला जाएगा। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, तीनों ग्रुप के विजेता और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली रनर-अप टीम क्वार्टर-फाइनल की मेजबानी करेंगी, जिससे घर में खेलने का फायदा मिल सकता है।

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल में पोलैंड की इगा स्वीटेक चेक गणराज्य की मारिया बुकोवा के खिलाफ मुकाबले में खेलती हुई।

वनडे वर्ल्ड कप के 'हिटमैन' रोहित शर्मा, रिकॉर्ड्स की दुनिया में सचिन-वॉर्नर को भी छोड़ा पीछे

- 28 मैचों में 1575 रन, रिकॉर्ड 7 शतक और 54 छक्के

- विश्व कप इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल रोहित

नई दिल्ली (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार है। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, शानदार टाइमिंग और बड़े मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के कारण 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित ने विश्व कप के मंच पर कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जो उन्हें क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में विशेष स्थान दिलाते हैं। रोहित शर्मा अब तक 2015, 2019 और 2023 के तीन वनडे विश्व कप खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 28 मुकाबलों में 60.57 की शानदार औसत से कुल 1575 रन बनाए हैं।

विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रोहित चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गज मौजूद हैं।

विश्व कप में रोहित की सबसे बड़ी ताकत बड़े स्कोर और शतक लगाने की उनकी क्षमता रही है। वनडे विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम दर्ज है। उन्होंने केवल 28 मैचों में 7 शतक लगाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 6 अर्धशतक भी दर्ज हैं। रोहित का विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 140 रन है। उन्होंने यह यादगार पारी 2019 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी। शतकों के मामले में रोहित ने सचिन तेंदुलकर और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम विश्व कप में 6-6 शतक दर्ज हैं। छक्के लगाने के मामले में भी रोहित शर्मा का दबदबा कायम है। वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। रोहित ने विश्व कप मुकाबलों में अब तक 54 छक्के लगाए हैं। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ा है, जिनके नाम विश्व कप में 49 छक्के दर्ज हैं। रोहित शर्मा के ये आंकड़े साबित करते हैं कि वनडे विश्व कप के मंच पर उनका बल्ला हमेशा विपक्षी गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी

नई दिल्ली (ए)। लंब समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इसी माह 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही सीरीज में वापसी हो सकती है। इसका कारण ये है कि इसी दौरान एशियाई खेल भी होंगे जिसके करण कई प्रमुख गेंदबाज उसमें शामिल होने चले जाएंगे। इससे शमी की एकदिवसीय टीम में वापसी की संभावना बन रही है। भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। इसका कारण ये है कि भारतीय टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाज उस समय एशियाई खेलों के लिए जापान में होंगे। जापान में 19 सितंबर से एशियाई खेल शुरू होने हैं, जिसके कारण ही जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा इस सीरीज में शामिल नहीं होंगे।

ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार जैसे तेज गेंदबाजी विकल्प हैं पर यदि टीम में चार तेज गेंदबाजों की जरुरत रही तो शमी को मिल सकती है जगह। इसका कारण ये है कि बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम के पास अधि अनुभव वाले तेज गेंदबाज नहीं रहेंगे। गौरतलब है कि शमी पिछले काफी समय से अपनी खराब फिटनेस को लेकर निशाने पर थे पर दिलीप ट्रॉफी में उन्होंने अपनी फिटनेस साबित कर दी है। अब शमी यदि दिलीप ट्रॉफी के फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनकी वापसी की संभावना बढ़ जाएगी। अगर वह फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए लंबे स्पेल कर अपनी फिटनेस साबित करते हैं तो वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी दावेदारी पक्की हो जाएगी।

माधौगंज पुलिस ने घर में हुई लाखों की चोरी का किया खुलासा, चोरी के सोने-चांदी जैसे धातु के आभूषण बरामद

सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तीन नकबजन दबोचे

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। माधौगंज थाना क्षेत्र में घर के ताले तोड़कर नगदी और जेवरात चोरी करने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की निशानदेही पर साडा बायपास रोड स्थित खंडहर के पास पत्थरों के बीच छिपाकर रखा गया सोने-चांदी जैसा धातु का चोरी का सामान बरामद किया गया है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपियों से माधौगंज के अलावा बहोड़ापुर, गिरवाई और कंपू थाना क्षेत्रों में हुई चार चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

रक्षाबंधन पर परिवार गया था बाहर, पीछे से टूटे ताले

पुलिस के अनुसार फरियादी हर्षवर्धन सिंह तोमर निवासी संभाजी विलास कॉलोनी, लाला का बाजार, माधौगंज अपने परिवार के साथ रक्षाबंधन के अवसर पर मुंगावली, अशोकनगर स्थित अपने पिता के घर गए थे। घर की देखरेख के लिए मुँहबोले मामा साधूसिंह गुर्जर को छोड़ा गया था। 28 अगस्त की सुबह करीब 6-30 बजे साधूसिंह घर में ताला लगाकर अपने घर चले गए। 30 अगस्त की शाम जब वह वापस लौटे तो मकान के ताले टूटे मिले।

पत्थरों के बीच छिपा था चोरी का माल

पुलिस तीनों आरोपियों को उनकी बताई जगह पर लेकर पहुंची। पुलिस के अनुसार विवेक प्रजापति ने अपने हिस्से से दो हार, तीन चूड़ियां, एक अंगूठी और एक नथ बरामद कराई। राज खान के हिस्से से दो चूड़ियां, दो हार, एक कान का टॉप्स और दो अंगूठियां बरामद हुई। वहीं फरमान खान के हिस्से से एक हार, दो चूड़ियां, एक कान का टॉप्स, एक अंगूठी और एक नथुनी बरामद की गई। पुलिस ने बरामद सामान को सोने जैसी धातु का बताया है।

सीसीटीवी बना पुलिस की जांच का बड़ा हथियार: वारदात के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्र के सैकड़ों ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज चेक किए और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कुछ लोगों को चिन्हित किया। इसके साथ ही तकनीकी सेल और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार निगरानी और पड़ताल के बाद पुलिस को गुप्तेश्वर मंदिर के पास तीन संदिग्ध युवकों के मौजूद होने की सूचना मिली।

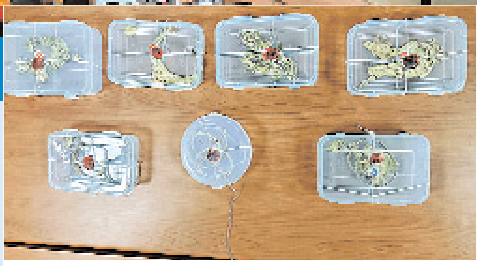

पहली और दूसरी मंजिल तक पहुंचकर खंगालीं अलमारियां

फरियादी के ग्वालियर लौटने पर घर की पहली और दूसरी मंजिल के गेट तथा कमरों में रखी अलमारियों के ताले टूटे मिले। सामान अस्त-व्यस्त था। जांच में करीब एक लाख रुपये नगद के अलावा सोने के हार, अंगूठियां, चूड़ियां, चेन, कान के टॉप्स तथा चांदी की पायल और चेन गायब मिली। पुलिस के अनुसार चोर बाउंड्री कूदकर मकान के अंदर दाखिल हुए और सीढ़ियों के रास्ते पहली तथा दूसरी मंजिल तक पहुंचकर गेट और अलमारियों के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

चार थाना क्षेत्रों की चोरियों से जुड़े तार?

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में माधौगंज के अलावा बहोड़ापुर, गिरवाई और कंपू थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की वारदातों के संबंध में भी जानकारी सामने आई है। पुलिस अब इन मामलों में आरोपियों की भूमिका की तस्दीक करने के साथ ही शेष चोरी के माल की बरामदगी के प्रयास कर रही है। साथ ही शहर में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस टीम की लगातार पड़ताल से खुला मामला

पूरे घटनाक्रम में थाना प्रभारी माधौगंज उप निरीक्षक दिव्या तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी जांच, ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और मुखबिर तंत्र को एक साथ इस्तेमाल किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में उप निरीक्षक उन्नति उपाध्याय, उप निरीक्षक विश्ववीर जाट, साइबर सेल ग्वालियर, प्रधान आरक्षक संतोष तोमर, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र गिल सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की भूमिका रही।

चार वारदातों के खुलासे पर अब आगे की जांच

पुलिस ने तीनों आरोपियों को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। अब जांच का फोकस केवल माधौगंज की वारदात तक सीमित नहीं है। पुलिस बहोड़ापुर, गिरवाई और कंपू क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं से आरोपियों के कथित कनेक्शन की जांच कर रही है। बरामदगी और पूछताछ के आधार पर आने वाले समय में चोरी की अन्य वारदातों का भी खुलासा होने की संभावना पुलिस ने जताई है।

पूछताछ में चोरी कबूलने का पुलिस का दावा

पुलिस के मुताबिक तीनों संदिग्धों से माधौगंज चोरी के मामले में पूछताछ की गई। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान उन्होंने वारदात में शामिल होना स्वीकार किया और बताया कि चोरी के माल को आपस में बांटने के बाद साडा बायपास रोड के पास एक खंडहर में पत्थरों के बीच छिपाकर रखा गया था।

पुलिस को देखकर भागे, घेराबंदी कर पकड़े गए

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम गुप्तेश्वर मंदिर के पास पहुंची। पुलिस के अनुसार वहां तीन युवक सड़क की तरफ खड़े दिखाई दिए, जिन्होंने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान विवेक प्रजापति उम्र 22 वर्ष, राज खान उम्र 25 वर्ष और फरमान खान उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई।

गलत जगह पंगा, भारी पड़ सकती है हवा-हवाई राजनीति

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर ग्रामीण का एक युवा नेता शायद राजनीति की उस गलती को दोहरा बैठा है, जिसका असर तत्काल दिखाई नहीं देता, लेकिन आने वाले समय में इसकी कीमत जरूर चुकानी पड़ सकती है।राजनीति में जोश जरूरी है, लेकिन जोश के साथ यह समझना भी जरूरी है कि किस मुद्दे पर बोलना है, किसके सामने बोलना है और किस समय बोलना है। ग्वालियर ग्रामीण की राजनीति में इन दिनों सोशल मीडिया की सक्रियता को ही राजनीतिक ताकत मान लेने का चलन बढ़ता दिखाई दे रहा है। पोस्ट, बयान और वायरल होने की कोशिशें कुछ समय के लिए चर्चा जरूर दिला सकती हैं, लेकिन राजनीति का असली मूल्यांकन जमीन पर काम और संगठन के भीतर स्वीकार्यता से होता है।युवा नेता ने जिस जगह पंगा लिया है, वह शायद सामान्य राजनीतिक टकराव नहीं है। आज भले ही इसे सोशल मीडिया की एक घटना मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए, लेकिन राजनीति में याददाश्त लंबी होती है। आने वाले समय में जब संगठन जिम्मेदारियां बांटेगा, तब सिर्फ समर्थकों की भीड़ या सोशल मीडिया की सक्रियता नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता भी देखी जाएगी।सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह रणनीति सोची-समझी थी या फिर हवा-हवाई राजनीति के जोश में उठाया गया कदम?भविष्य में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो समय तय करेगा, लेकिन इतना जरूर है कि गलत जगह लिया गया पंगा आने वाली राजनीति में घातक साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर कुछ घंटे की सुर्खियां मिल सकती हैं, मगर संगठनात्मक राजनीति में भरोसा बनाने में वर्षों लगते हैं।ग्वालियर ग्रामीण की राजनीति में अब देखना यही है युवा नेता इस गलती से सबक लेता है या सोशल मीडिया की तालियों को ही अपनी राजनीतिक ताकत समझता रहता है।

ऑपरेशन मुस्कान में महाराजपुरा पुलिस का बड़ा ऑपरेशन, लापता चार युवतियां सकुशल दस्तयाब

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना महाराजपुरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए घर से बिना बताए चली गई चार युवतियों को सकुशल दस्तयाब कर लिया। दस्तयाब युवतियों में तीन नाबालिग और एक बालिग शामिल हैं। चारों युवतियां 25 अगस्त को डायपर बनाने वाली कंपनी में काम करने गई थीं, लेकिन काम से वापस घर नहीं लौटीं। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उनकी तलाश शुरू की। पुलिस ने आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश के साथ तकनीकी सेल और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी सहायता से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस टीम चारों युवतियों तक पहुंचने में सफल रही। दस्तयाबी के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर चारों को बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। चारों युवतियों की दस्तयाबी पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर गुमशुदा बालक-बालिकाओं की तलाश को मिली रफ्तार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी ने जिले के थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में एक साथ चार युवतियों के लापता होने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल उनकी तलाश शुरू की। मामले में पुलिस अधीक्षक द्वारा चारों युवतियों की दस्तयाबी पर 5-5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। एसएसपी के निर्देशों के तहत पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र का इस्तेमाल करते हुए तलाश को आगे बढ़ाया और आखिरकार चारों युवतियों को सुरक्षित खोज निकाला।

सीएसपी नागेन्द्र सिंह सिकरवार और एडिशनल एसपी डॉ. शिवेश सिंह बघेल की निगरानी में चला सर्च ऑपरेशन: चारों युवतियों के एक साथ लापता होने की सूचना मिलने के बाद सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में थाना पुलिस की टीम को सक्रिय किया गया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूर्व डॉ. शिवेश सिंह बघेल ने गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए थाना प्रभारियों को टीम बनाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की और तकनीकी सेल तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। विवेचना के दौरान तकनीकी सहायता से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। इन सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने चारों युवतियों को सकुशल दस्तयाब कर लिया। तीनों नाबालिग युवतियों सहित चारों को आवश्यक प्रक्रिया के बाद बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से चार परिवारों को बड़ी राहत मिली।

थाना प्रभारी यशवंत गोयल के नेतृत्व में टीम ने खंगाले सुराग, साइबर सेल ने भी निभाई अहम भूमिका

थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चारों युवतियों की तलाश में लगातार प्रयास किए। पुलिस ने संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाने के साथ तकनीकी माध्यमों से भी सुराग तलाशे। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और तकनीकी सहायता से मिली जानकारी को जांच का आधार बनाया गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम चारों युवतियों तक पहुंची और उन्हें सकुशल दस्तयाब कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक यशवंत गोयल, उप निरीक्षक राजीव सोलंकी, उप निरीक्षक सुशीला जादौन, आरक्षक रेनू तिवारी, लक्ष्मी तोमर, राजकुमार, रामसेवक, राजेश राजावत, मोहिनी चतुर्वेदी, रेनू गुर्जर, दीपक भदौरिया, दीपेंद्र शर्मा, रामबाबू, महिला आरक्षक सोमवती, रेखा यादव तथा साइबर सेल के आरक्षक सोनू प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

इनका कहना

ऑपरेशन मुस्कान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देश पर गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। महाराजपुरा थाना क्षेत्र से एक साथ चार युवतियों के लापता होने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस की टीम गठित की गई। तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के माध्यम से लगातार प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप चारों युवतियों को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। इनमें तीन नाबालिग और एक बालिग है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। गुमशुदा बच्चों की तलाश और उनकी सुरक्षित दस्तयाबी पुलिस की प्राथमिकता है।

नागेन्द्र सिंह सिकरवार,
सीएसपी महाराजपुरा

32 बोर की पिस्टल, दो मैग्जीन और छह जिंदा राउंड के साथ आरोपी गिरफ्तार

कार की तलाशी में कमर पर मिली पिस्टल, जांच बढ़ी तो गन हाउस तक पहुंची पुलिस

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ऑपरेशन ईगल के तहत इंदरगंज पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को 32 बोर की पिस्टल, दो मैग्जीन और छह जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ के दौरान हथियार के स्रोत का पता चला और जांच शान गन हाउस तक पहुंची। पुलिस ने गन हाउस संचालक अशोक कुमार अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे/निशानदेही से एक लाख रुपये जब्त किए जाने की बात पुलिस ने कही है।

छप्पर वाला पुल पर रैंडम चेकिंग, हैरियर कार बनी निशाना: पुलिस के मुताबिक 4 सितंबर को थाना इंदरगंज की टीम छप्पर वाला पुल पर रैंडम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सफेद रंग की टाटा हैरियर ईवी कार आती दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोककर चालक की जांच की। पूछताछ में चालक ने अपना नाम गिर्राज गुर्जर, उम्र 35 वर्ष बताया। पुलिस के अनुसार चालक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उसकी तलाशी ली गई।

पुलिस के मुताबिक हथियार उपलब्ध कराने वाले गन हाउस संचालक से एक लाख रुपये बरामद

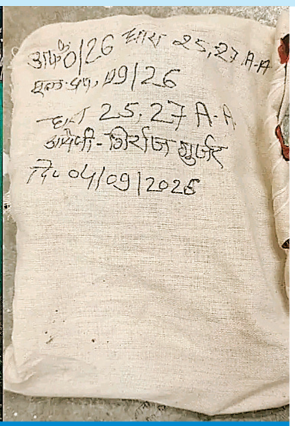

कमर में खुरसी थी 32 बोर की पिस्टल

तलाशी के दौरान पुलिस को आरोपी की कमर में 32 बोर की पिस्टल मिली। पिस्टल में खाली मैग्जीन लगी हुई थी, जबकि आरोपी की पैंट की जेब से एक अन्य मैग्जीन बरामद हुई, जिसमें छह जिंदा राउंड बताए गए हैं। पुलिस ने पिस्टल, दोनों मैग्जीन और छह राउंड जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया।

एक आरोपी की गिरफ्तारी से खुला हथियार का कथित स्रोत

कार्रवाई यहीं खत्म नहीं हुई। पुलिस ने आरोपी से हथियार के संबंध में पूछताछ की। पुलिस के अनुसार गिर्राज गुर्जर ने पूछताछ में बताया कि उसने पिस्टल, मैग्जीन और राउंड फालका बाजार स्थित शान गन हाउस से लिए थे। इसके बाद पुलिस ने दुकान के संचालक अशोक कुमार अग्रवाल से पूछताछ शुरू की।

चार महीने से पड़ी पिस्टल, फिर कथित तौर पर बेच दी

पुलिस के मुताबिक पूछताछ में गन हाउस संचालक ने बताया कि करीब चार महीने पहले एक व्यक्ति 32 बोर की पिस्टल ठीक कराने के लिए दुकान पर लेकर आया था। बाद में वह व्यक्ति पिस्टल लेने वापस नहीं आया। पुलिस के अनुसार संचालक ने कथित तौर पर वही पिस्टल दो मैग्जीन और छह राउंड सहित गिर्राज गुर्जर को दे दी।

हथियार बरामदगी के साथ कार भी जब्त: पुलिस ने मामले में गिर्राज गुर्जर के कब्जे से 32 बोर की देशी पिस्टल, दो मैग्जीन और छह जिंदा राउंड के साथ टाटा हैरियर ईवी कार भी जब्त की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार मूल रूप से किसके नाम/स्रोत से आया था और वह कथित रूप से गन हाउस तक कैसे पहुंचा।

इनकी रही सराहनीय भूमिका: कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक दीप्ती तोमर, उप निरीक्षक यशपाल, उप निरीक्षक बनवारी लाल मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक अरुण तोमर, प्रधान आरक्षक रामबाबू सिंह, प्रधान आरक्षक रामनिवास, आरक्षक नीरज यादव, दीपक मिश्रा, संदीप पचौरी, अर्जुन तथा महिला आरक्षक अचला की भूमिका रही। ऑपरेशन ईगल के तहत इंदरगंज पुलिस द्वारा छप्पर वाला पुल पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक वाहन को रोककर चेक किया गया, जिसमें से 32 बोर की अवैध पिस्टल, दो मैग्जीन और छह जिंदा राउंड बरामद हुए। आरोपी से पूछताछ के बाद हथियार उपलब्ध कराने वाले शान गन हाउस के संचालक को भी गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से अवैध हथियार के स्रोत और अन्य संभावित मामलों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

दुकान से मिले एक लाख रुपए

पूछताछ में संचालक ने यह भी बताया कि पिस्टल के बदले मिले रुपये उसकी दुकान में रखे हुए हैं। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने शान गन हाउस से एक लाख रुपये जब्त किए। इसके बाद अशोक कुमार अग्रवाल को भी मामले में गिरफ्तार किया गया।

अब हथियारों के नेटवर्क की जांच पर नजर

एक अवैध पिस्टल की बरामदगी से शुरू हुई कार्रवाई में पुलिस के गन हाउस तक पहुंचने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। अब जांच का अहम बिंदु यह रहेगा कि चार महीने पहले पिस्टल मरम्मत के लिए लाने वाला व्यक्ति कौन था, हथियार की वैधता और रिकॉर्ड क्या था तथा उसके बाद वह गिर्राज गुर्जर तक किस माध्यम से पहुंचा। पुलिस आरोपियों से इन बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के निर्देशन में की गई। सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक दीप्ती तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग से शुरू हुई कार्रवाई को हथियार के कथित स्रोत तक पहुंचाया।

ऑपरेशन ईगल के तहत इंदरगंज पुलिस द्वारा छप्पर वाला पुल पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक वाहन को रोककर चेक किया गया, जिसमें से 32 बोर की अवैध पिस्टल, दो मैग्जीन और छह जिंदा राउंड बरामद हुए। आरोपी से पूछताछ के बाद हथियार उपलब्ध कराने वाले शान गन हाउस के संचालक को भी गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों से अवैध हथियार के स्रोत और अन्य संभावित मामलों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

रोबिन जैन, सीएसपी

केन्द्रीय जेल में अचानक पहुंचे प्रधान जिला न्यायाधीश, बंदियों की सुविधाओं का लिया जायजा

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। केंद्रीय जेल ग्वालियर में गुरुवार को उस समय अधिकारियों में हलचल मच गई, जब प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ललित किशोर ने जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य जेल में बंदियों को मिल रही सुविधाओं और सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों के पालन की जमीनी स्थिति परखना था प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल की बैरकों से लेकर पाकशाला और जेल अस्पताल तक का निरीक्षण किया। इस दौरान बंदियों के रहने की व्यवस्था, साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति देखी गई। उन्होंने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।निरीक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू बंदियों को मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता भी रहा। ऐसे बंदी जिन्हें जमानत, अपील, रिवीजन अथवा अन्य कानूनी प्रक्रिया में सहायता की आवश्यकता है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से समय पर विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।अचानक हुए इस निरीक्षण ने जेल की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी गंभीरता का संदेश दिया। न्यायिक अधिकारियों का यह निरीक्षण केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने पर जोर रहा कि जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े।निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार पांडे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुष्पेंद्र सिंह, प्रभारी कलेक्टर सोजान सिंह रावत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, केंद्रीय जेल अधीक्षक राकेश कुमार सहित जेल के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर यातायात व्यवस्था की चुनौती, अभिषेक रघुवंशी की रणनीति ने संभाला मोर्चा

सोमेश शर्मा, अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। जन्माष्टमी के अवसर पर फूलबाग स्थित प्रसिद्ध गोपाल जी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। खास बात यह है कि जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी का बेशकीमती हीरे-जवाहरातों से विशेष श्रृंगार किया जाता है। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है।

इस बार यह चुनौती इसलिए भी बढ़ गई थी, क्योंकि शहर में एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के चलते यातायात के डायवर्जन की वजह से फूलबाग क्षेत्र में वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया था। गोले का मंदिर, मुरार और पड़ाव की ओर से आने वाला यातायात फूलबाग चौराहे से गोपाल जी मंदिर के सामने से होते हुए इटालियन गार्डन और हाथी गेट की ओर डायवर्ट किया गया था।

ऐसे में एक ओर मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम रास्ता उपलब्ध कराना था, वहीं दूसरी ओर शहर के यातायात को भी बिना किसी बड़ी बाधा के संचालित करना था। इस चुनौतीपूर्ण व्यवस्था की कमान झांसी रोड यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी के नेतृत्व में संभाली

गई। यातायात पुलिस ने अलग-अलग दिशाओं से आने वाले श्रद्धालुओं और वाहन चालकों के लिए पहले से ही रूट डायवर्जन और पार्किंग से संबंधित साइन बोर्ड लगाए, ताकि लोगों को रास्ता समझने और वाहन पार्क करने में परेशानी न हो।

यातायात पुलिस की इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यह रहा कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के दौरान मार्गदर्शन मिलता रहा और वाहनों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया गया। पार्किंग और आवागमन को लेकर भी लोगों को पहले से जानकारी उपलब्ध कराने की कोशिश की गई।

जन्माष्टमी जैसे बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान भारी भीड़, सीमित सड़क और निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के बीच यातायात व्यवस्था को संभालना आसान नहीं था। ऐसे में अभिषेक रघुवंशी और उनकी टीम की पहले से की गई तैयारियों और मौके पर सक्रियता की श्रद्धालुओं ने सराहना की।

पुलिस की इस व्यवस्था का उद्देश्य सिर्फ ट्रैफिक को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम दर्शन का माहौल उपलब्ध कराना भी रहा। जन्माष्टमी के दौरान फूलबाग क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को लेकर की गई यह तैयारी शहर में बड़े आयोजनों के दौरान बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट की दिशा में एक सकारात्मक पहल के तौर पर देखी जा रही है।

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक पूनम विश्वकर्मा एवं संपादक आकाश कुशवाह के लिए विश्वकर्मा प्रिंटिंग प्रेस, ग्राम पादरी, तहसील वैढ़न, जिला सिंगरौली, मध्यप्रदेश से मुद्रित व कुशवाह मोहल्ला, ग्राम पंचायत सोजना, पोस्ट-तिघरा, ग्वालियर, मध्यप्रदेश - 474001 से प्रकाशित मोबाइल नं. 84355 00216 संपादक- आकाश कुशवाह (सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)